गुजरात से छठ में घर आये युवक की गला रेतकर हत्या

रात आठ बजे फोन कर घर से बुलाया, सुबह खून से लथपथ मिला शव

समस्तीपुर (आससे)। पटोरी थाना क्षेत्र के इनायतपुर धर्मौन गांव में एक 18 वर्षीय युवक की गला रेतकर निर्मम हत्या किए जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान गांव निवासी राजनीति राय के बड़े पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई है। शनिवार की सुबह उसका शव गांव के समीप स्थित लाला गाछी से बरामद किया गया। युवक की हत्या चाकू से गला रेतकर की गई थी। उसके शरीर के कई हिस्सों पर भी चाकू से किए गए गहरे जख्म के निशान मिले हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए।

सूचना मिलने पर पटोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीएसपी वीरेंद्र कुमार मेधावी एवं थानाध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक कुमार गुजरात स्थित एक निजी फैक्ट्री में मजदूरी करता था। वह छठ महापर्व मनाने के लिए करीब दस दिन पहले ही अपने गांव आया था। बताया जाता है कि शुक्रवार की रात करीब आठ बजे उसके मोबाइल पर कुछ लोगों का फोन आया। फोन आने के बाद वह बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गया। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजन चिंतित हो गए। परिवार के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन रात में उसका कोई पता नहीं चल सका।शनिवार की सुबह गांव के समीप लाला गाछी में कुछ लोगों ने एक युवक का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। शव की पहचान दीपक कुमार के रूप में होते ही परिवार में कोहराम मच गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटनास्थल की स्थिति हत्या की निर्ममता को बयां कर रही थी। युवक का गला चाकू से रेता गया था तथा शरीर के कई हिस्सों पर चाकू से वार किए जाने के गहरे निशान थे। घटनास्थल के आसपास कई जगह खून बिखरा हुआ मिला। वहीं, पुलिस को मौके से एक अज्ञात व्यक्ति का चप्पल भी बरामद हुआ है। मृतक का मोबाइल फोन भी गायब बताया जा रहा है। पुलिस मोबाइल की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। घटनास्थल से मिले चप्पल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर भी जांच की जा रही है। पुलिस एवं पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक नशे का आदी था और गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों का सेवन करता था। उसकी संगति को लेकर भी परिवार और ग्रामीणों के बीच चर्चा है। जिस स्थान से उसका शव बरामद हुआ है, वहां कथित तौर पर जुआरियों और नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता था। पूर्व में भी उसके नशे से जुड़ी कुछ घटनाओं में संलिप्त रहने की बात सामने आई है। हालांकि, हत्या के वास्तविक कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस इस पहलू सहित अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।मामले की तह तक पहुंचने के लिए पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। घटनास्थल पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार दारोगा प्रियरंजन कुमार, सुधांशु कुमार और दीपक कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी कैंप कर साक्ष्य जुटाने एवं मामले की छानबीन में लगे हुए हैं इधर, महज 18 वर्ष के युवक की निर्मम हत्या से इनायतपुर धर्मौन गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई थी। पुलिस का अनुसंधान जारी था और हत्या के कारणों तथा इसमें शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा था।

अनुमंडल पदाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था के दिए सख्त निर्देश

समस्तीपुर (आससे)। अनुमंडल पदाधिकारी सदर राकेश कुमार ने नगर आयुक्त के साथ नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छठ पर्व को देखते हुए सुरक्षा एवं व्यवस्था प्रबंधन की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि छठ घाटों पर श्रद्धालुओं एवं आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आवागमन को सुगम बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिबंधित छठ घाटों को लेकर अधिकारियों से लेकर सुरक्षा कर्मियों तक को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निरंतर निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया।प्रशासन का यह कदम छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मंशा को दर्शाता है।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू, श्रमदान से संवरे छठ घाट

दरभंगा/कुशेश्वरस्थान (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को खरना का अनुष्ठान श्रद्धा और पवित्रता के साथ संपन्न हुआ। व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे के निर्जला व्रत का संकल्प लिया। वहीं, दूसरी ओर स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने श्रमदान कर छठ घाटों को अंतिम रूप देने में पूरी ताकत झोंक दी। सरकारी व्यवस्था के इंतजार के बजाय लोगों ने स्वयं जिम्मेदारी उठाकर घाटों की साफ-सफाई और सजावट की। खरना को लेकर सुबह से ही महिला एवं पुरुष व्रती निर्जला उपवास पर रहे। दिनभर उपवास के बाद शाम को स्नान कर मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से गुड़ की खीर और रोटी तैयार की गई। भगवान भास्कर को भोग लगाने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही 36 घंटे की कठिन निर्जला साधना शुरू हो गई। इधर, रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में तालाब, पोखर और नदी घाटों पर दिनभर चहल-पहल रही। युवाओं की टोली कहीं जलकुंभी निकालकर पोखरों की सफाई करती दिखी तो कहीं ग्रामीण घाटों तक जाने वाले रास्तों को दुरुस्त करने में जुटे रहे। घाटों की मिट्टी समतल करने के साथ रंगाई-पुताई, केले के थंभ, बांस-बल्लों और रंगीन रोशनी से सजावट की गई। कई स्थानों पर आकर्षक तोरण द्वार भी बनाये गये।

बिहार सरकार

समाहरणालय, जहानाबाद

अल्पकालीन सूचना

(जिला विधि शाखा)

बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 (यथा संशोधित, 2018) के अन्तर्गत जप्त वाहनों के मालिकों के लिए नोटिस:–

एतद द्वारा निम्नलिखित वाहनों के मालिक को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 (यथा संशोधित 2018 एवं 2022) के अन्तर्गत शराब के परिवहन के आरोप में जप्त वाहनों के मालिक को इस नोटिस के द्वारा संबंधित वाहन के मालिक/हितबद्ध व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद (संशोधित) नियमावली, 2023 (क) नियम 12 (क) के उप नियम (2) का वाद में निहित उपबंधों के आलोक में प्रपत्र–4 में अपना आवेदन बीमाकृत मूल्य के 10% से कम और 05 (पाँच) लाख रूपये से अधिक नहीं होगी। शास्ति (Penalty) की राशि खाते में जमा कराकर वाहन को छोड़ाने हेतु (यदि आप वाहन छोड़ाना चाहते हों तो) सुनवाई की निर्धारित तिथि कंडिका–07 एवं 08 के अंदर अपना आवेदन अपने न्यायालय प्रभारी पदाधिकारी, जिला विधि शाखा–सह–प्राधिकृत पदाधिकारी (मद्यनिशेध राजसात) जहानाबाद में प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र0 सं0	वाहन का पंजीयन संख्या	वाहन/परिसर का प्रकार	संबंधित थाना का नाम	थाना कांड संख्या	वाहन स्वामी का नाम/पता	सूनवाई की प्रथम तिथि	सूनवाई की द्वितीय तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	GJ33T-4337	सुजुकी डिजायर कार	हुलासगंज	52/2025	श्री किशाला भरत भाई, पिता श्री पुरूषोतम भाई, साकिन–गढ़ाली पूर्व, थाना–गढ़ाडा, जिला–बोटाड, राज्य–गुजरात, पिन पि0–364750	17.11.2026	30.11.2026

निर्धारित अवधि तक कोई दावा/पक्ष व कागजात प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में यह समझा जायेगा कि वाहन से आपका कोई सरोकार नहीं, तदनुसार उक्त जप्त वाहन को बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2018 (समय–समय पर यथा संशोधित) के प्रावधानों के अधीन नियमानुसार अधिहरित कर नीलाम कर दिया जायेगा। समय सीमा के बाद कोई सुनवाई मान्य नहीं होगी।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR. No. 015339 (LAW) 2026-27

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

जिला दण्डाधिकारी–सह–समाहर्त्ता, जहानाबाद

खरना सम्पन्न, संध्या प्रथम अर्घ्य आज

खानपुर /समस्तीपुर (आससे)। प्रखंड में महापर्व छठ खरना व्रती द्वारा पूर्ण कर मुख्य पर्व वास्ते निर्जला उपवास रात एक दिन रहते हुए संध्या प्रथम. अर्घ्य असताचल दीनानाथ को दिया जायेगा आज. प्रखंड के सभी सतहतर घाट साफ सफाई सुंदर सजावट के साथ तैयार हैं व्रती समय से अपने घाट पहुंच भगवान भाष्कर माँ छठी को प्रथम अर्घ्य समर्पित कर ढेर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे चहु ओर छठ गीत एक भक्तिमय वातावरण का निर्माण कर दिया हैं सभी उम्र के लोग माँ छठी पूजन में व्यस्त है।

छठ की पारंपरिक गीतों से गुंजायमान हुआ न्यू गुरुकुल

मोहनपुर (समस्तीपुर)। खरना के दिन मोहनपुर प्रखंड के न्यू गुरुकुल रसलपुर के परिसर में छात्राओं ने छठ व्रत किया। विद्यालय में छठ व्रत का आयोजन कर संस्कृति एवं परंपरा के प्रति आदर भाव दिखाए।विद्यालय को रंग-बिरंगे झालरों से सजाया गया था। छठ व्रत के लिए निर्धारित सूपों और दौऊरों में पकवान एवं फल सजाए गए थे।छात्राएं एक— दूसरे के गले में बाहें डालकर छठ गीत गाती हुई विद्यालय के परिसर में बनाए गए छठ घाट में आई और पूजा— अर्चना करने लगी।छठी मईया अईली रथ पर सवार, कहवा पईबो सोने के कटोरवा, भोरही में चार बजे, उगी हे सुरजमल, उगली किरनिया से भईले, सुपवा ले ला बबुआ, मरबऊ से सुगबा धनुष से आदि पारंपरिक छठ गीतों से संपूर्ण फिजा अनुगुंजित हो रही थी।इस अवसर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भारतीय वन्य जीवन संस्थान देहरादून के प्रोजेक्ट असिस्टेंट कुणाल कुमार सिंह ने छठ की महत्ता एवं सूर्य की पर्यावरण में उपस्थित को रेखांकित करते हुए बताया कि छात्र-छात्राओं में सांस्कृतिक चेतना, परंपराबोध एवं पर्यावरण के प्रति दायित्व का भान निर्धारित करने के लिए यह आयोजन किया गया । विद्यालय परिसर में आयोजित छात्राओं के इस छठ पर्व को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। मौके पर सुभाष कुमार सिंह, पल्लवी, सिंह, कंचन कुमारी,रमन कुमार,मुकेश कुमार,मुन्ना कुमार,रमेश झा, बादल सिंह, लक्ष्मी, उजाला,रजनी, किट्टू,कृपा,मुस्कान,रितिका, आकांक्षा,अनुष्का,विशाल, हर्ष,रवि, आर्य,अमित,मोनू आरुषि, अनामिका मौजूद थे।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर जिलाधिकारी ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

समस्तीपुर (आससे)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती (बाल दिवस) के अवसर पर शनिवार को समाहरणालय परिसर, समस्तीपुर में एक गरिमामय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सह जिला समाहर्ता रोशन कुशवाहा ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने पंडित नेहरू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना तथा देश के औद्योगिकीकरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रति उनके असीम स्नेह और लगाव के कारण ही उनकी जयंती को पूरे देश में 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रजनीश कुमार राय, विशेष कार्य पदाधिकारी अली एकराम, वरीय उप समाहर्ता अंजलि सहित समाहरणालय के विभिन्न पदाधिकारी एवं अन्य कर्मियों ने भी पंडित नेहरू के तैलचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

खरना पूजा के उपरांत 36 घंटों का निर्जला व्रत शुरू

जाले (दरभंगा) (आससे)। जाले के विभिन्न पंचायतों में छठ व्रतियों ने शनिवार की सुबह स्नान ध्यान कर पूरे दिन का निर्जला व्रत धारण कर ,पूरी पवित्रता के साथ सूर्यास्त के बाद खरना पूजा का प्रसाद (गेहूं के आटे की पूरी एवं गुड,दूध वो चावल की खीर) तैयार कर ,मौसमी फल के साथ, छठी मैया एवं सूर्यदेव की पूजा कर ,भोग लगाया एवं स्वयं प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत धारण किया। खरना पूजा के बचे प्रसाद को परिवार के सदस्यों के बीच वितरित किया। व्रती रविवार की संध्या अस्त चल गामी सूर्यदेव की पूजा अर्चना एवं अर्ध्य अर्पण के बाद ,सोमवार की सुबह उदीयमान भगवान भास्कर की पूजा अर्चना एवं अर्ध्य अर्पण करेंगे। इस मौके पर स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन की सभी छठ घाटों पर पैनी नजर रहेगी।

अग्निपीड़ित परिवार की मदद को आगे आए समाजसेवी राजू सहनी

समस्तीपुर(आससे)। अग्नि पीड़ित परिवार की मदद को आगे आए समाजसेवी राजू सहनी राशन से लेकर कपड़े और बर्तन तक उपलब्ध कराई। समाज सेवा के क्षेत्र में हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहने वाले समाजसेवी राजू सहनी ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। आग लगने से अपना सब कुछ गंवा चुके एक गरीब परिवार की मदद के लिए उन्होंने हाथ बढ़ाया और पीड़ित परिवार को जरूरी



सामग्री उपलब्ध कराई।मामला समस्तीपुर जिले के उजियारपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लखनीपुर पहेशपट्टी पंचायत के वार्ड संख्या 13 का है। जहां बीते 9 नवंबर को बिजली के शॉर्ट सर्किट से राजेन्द्र पासवान के घर में अचानक आग लग गई थी। इस अगलगी की घटना में परिवार को काफी नुकसान उठाना पड़ा,घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी राजू सहनी ने पीड़ित परिवार की सुध ली। इसी क्रम में शुक्रवार को उन्होंने अग्नि पीड़ित परिवार को कई महीनों का राशन, बर्तन, कपड़े सहित अन्य जरूरी घरेलू सामग्री उपलब्ध कराई, ताकि संकट की इस घड़ी में परिवार को कुछ राहत मिल सके। इस दौरान समाजसेवी राजू सहनी की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। मौके पर संगीता देवी, बिलट पासवान,सुरेन्द्र पासवान,लाल बाबू पासवान,पिंटु यादव, सीमा सियाराम राय सुरेश सहनी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

महापर्व छठ के दूसरे दिन व्रतियों ने किया खरना का अनुष्ठान

रोसड़ा (आससे)। लोक आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने दिन भर उपवास रखकर खरना का अनुष्ठान किया । पर्व के निमित अपने हाथों तैयार किये गये गेहूं के आटें से सोहारी तथा गुड़ से बनी खीर का प्रसाद संध्या ढ़लने के बाद छठी मैया समेत कुल देवता का पूजन कर चढ़ाने के पश्चात व्रती एवं उनके परिजनों ने प्रसाद के रूप मे ग्रहण किया । इसके पश्चात व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हुए रविवार की संध्या अस्ताचलगामी सूर्य और सोमवार की प्रातः उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य समर्पित करेंगे । इसके साथ हीं इस महापर्व का समापन होगा । छठ व्रती पूरी आस्था और निष्ठा के साथ भगवान भास्कर की पूजा - आराधना में जुटे हैं । जगह - जगह छठ घाटों की सभी तैयारी और सजावट अंतिम चरण में है ।

हथियार एवं कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

पूसा,(समस्तीपुर) (आससे)। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रखंड मुख्यालय व हॉस्पिटल चौक के समीप के खेल मैदान से शनिवार की अहले सुबह एक स्कॉर्पियो पर सवार तीन बदमाश को अवैध हथियार व कारतूस के साथ पूसा थाना के पुलिस ने गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान समस्तीपुर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोहनपुर निवासी रामानंद राय के पुत्र बिट्टू कुमार, कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बेला निवासी हनुमान झा के पुत्र सुशांत झा तथा शहर के काशीपुर निवासी विद्यानंद राय के पुत्र आयुष कुमार के रूप में हुई है।

छठ पूजा को लेकर 747 स्थलों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल तैनात

दरभंगा (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी कौशल कुमार ने संयुक्त आदेश जारी किया है। जिले के कुल 747 स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्धारित स्थल पर समय से योगदान देने तथा पर्व की समाप्ति तक मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। संयुक्त आदेश के अनुसार, 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य तथा 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को द्वितीय अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण होगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के नदी, पोखर, तालाब एवं अन्य जलाशयों के घाटों पर पहुंचने की संभावना को देखते हुए भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा एवं स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को नदी एवं खतरनाक तालाब घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। ऐसे घाटों पर आवश्यकतानुसारमोटर वोट, नाव, महाजाल, रस्सा एवं अन्य बचाव संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। आपात स्थिति एवं विधि-व्यवस्था संबंधी सूचना के त्वरित आदान-प्रदान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष गठित किया गया है। इसके प्रभारी उप विकास आयुक्त स्वप्निल बनाए गए हैं। प्रशासन ने सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को पूरी अवधि में कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहने और पर्व की समाप्ति के बाद ही वहां से हटने का निर्देश दिया है।

खरना का प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों ने शुरू की 36 घंटे की निर्जला सूर्योपासना

दरभंगा/मनीगाछी (आससे)। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने पारंपरिक विधि-विधान और श्रद्धा के साथ खरना का अनुष्ठान किया। गुड़ की खीर, रोटी, फल एवं मिठाइयों का भोग छठी मइया को अर्पित करने के बाद लोगों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों ने 36 घंटे की निर्जला सूर्योपासना शुरू की। ग्रामीण



क्षेत्रों में खरना के प्रसाद की विशेष परंपरा देखने को मिली। व्रतियों ने लकड़ी और गोइठा के जलावन से मिट्टी के चूल्हे पर पूरी नियम-निष्ठा के साथ प्रसाद तैयार किया। इसमें सामूहिक सहभागिता भी देखने को मिली। श्रद्धालु प्रसाद के लिए अपना अंश समर्पित कर प्रसाद ग्रहण करते रहे। छठी मइया को भोग लगाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए व्रतियों के घरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य तथा सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ महापर्व का समापन होगा। इधर, छठ पूजा की सामग्री खरीदने के लिए बाजारों में दिनभर लोगों की भीड़ उमड़ती रही। केला, सेब, अनानास, नींबू, हल्दी, अदरक सहित अन्य फलों एवं मिठाइयों की दुकानों पर लंबी कतारें लगी रहीं। मांग बढ़ने के कारण कई पूजन सामग्रियों और फलों की कीमतें सामान्य दिनों की अपेक्षा लगभग दोगुनी हो गईं। इसके बावजूद श्रद्धालु महापर्व की आवश्यक सामग्री खरीदने को मजबूर दिखे।

छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मधुबनी (आससे)। लोक आस्था, श्रद्धा, भक्ति एवं सूर्योपासना का महापर्व छठ पूरे उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। छठ महापर्व के दौरान व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा तथा विधि-व्यवस्था संधारित रखने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। पर्व के सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला पदाधिकारी श्री आनंद शर्मा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त आदेश जारी किया है। इसके तहत जिले में थानावार कुल 626 दंडाधिकारियों एवं 626 पुलिस पदाधिकारियों के साथ पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्धारित स्थल पर ससमय उपस्थित होकर पूरी मुस्तैदी एवं जवाबदेही के साथ अपने-अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का निर्देश दिया गया है।



जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि छठ महापर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी अलर्ट मोड में रहेंगे तथा अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थलों पर लगातार सक्रिय रहकर स्थिति पर नजर रखेंगे। अफवाह फैलाने वाले, असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। ऐसे तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय को अपने-अपने क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करने को कहा गया है। उन्हें भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है। नगर आयुक्त एवं सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण करने तथा नदी एवं तालाबों में पानी की गहराई का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। खतरनाक एवं गहरे जल वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग करने तथा लाल झंडे लगाने को कहा गया है, ताकि श्रद्धालु खतरे वाले स्थानों की पहचान कर सकें और सुरक्षित सीमा के भीतर ही रहें।

छठ पर्व को लेकर जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने नगर निगम क्षेत्र के प्रमुख छठ घाटों का किया निरीक्षण

समस्तीपुर (आससे)। आगामी छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी समस्तीपुर रोशन कुशवाहा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर अरविंद प्रताप सिंह द्वारा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण छठ घाटों का संयुक्त भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया।इस क्रम में मथुरापुर घाट, प्रधान घाट सहित अन्य प्रमुख छठ घाटों पर पर्व को लेकर की जा रही तैयारियों, साफ-सफाई, घाटों की स्थिति, श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाएं। घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुगम पहुंच पथ तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने निर्देश दिया कि सभी घाटों का सुरक्षा की दृष्टि से समुचित आकलन करते हुए खतरनाक एवं गहरे जल वाले स्थानों को चिह्नित किया जाए तथा आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग कराई जाए। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही भीड़ प्रबंधन एवं यातायात नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसका अनुपालन कराया जाए। वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले घाटों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्ती, यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।

छठ पर्व बिहार की लोकसंस्कृति, सामाजिक समरसता व आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक : डॉ. रामसेवक झा

दरभंगा (आससे)। बिहार की सांस्कृतिक परंपरा में छठ पर्व का विशिष्ट स्थान है। यह केवल सूर्योपासना का धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति, पारिवारिक



संस्कार, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है। ये बातें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं मधेपुर बाथ निवासी शिक्षाविद् डॉ. रामसेवक झा ने कहीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। छठ में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देना समाज में प्रत्येक व्यक्ति के योगदान के सम्मान का संदेश देता है, जबकि उदीयमान सूर्य की आराधना आशा, नवीन संकल्प और कर्मशीलता की प्रेरणा देती है। ऋग्वेद, अथर्ववेद, रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में सूर्योपासना की परंपराओं का उल्लेख मिलता है। डॉ. झा ने बताया कि षष्ठी तिथि सूर्यदेव की प्रिय मानी गई है। इसलिए छठ में सूर्य और षष्ठी देवी की संयुक्त आराधना होती है। छठी मइया को संतान की रक्षक माना जाता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इसमें विभिन्न समुदायों के कारीगरों द्वारा निर्मित सामग्रियों का उपयोग होता है, जिससे लघु उद्योगों को आर्थिक लाभ मिलता है। छठ घाटों पर जाति-पंथ का भेद मिटाकर लोग स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सहयोग और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हैं।

सात दिवसीय काली पूजा महोत्सव प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न

मनीगाछी (दरभंगा) (आससे)। शनिवार की अहले सुबह मां काली की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही नेहरा में आयोजित सात दिवसीय काली पूजा महोत्सव-2026 शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया। सात दिनों तक पूरा नेहरा गांव मां काली की भक्ति और आराधना में डूबा रहा। गत 7 नवंबर को शुरू हुए महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती, धार्मिक अनुष्ठान और महाप्रसाद का आयोजन किया गया। वहीं, श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राम झूठा का भी आयोजन हुआ। शाम होते ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार हो जाता था। महोत्सव के अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां काली की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद नम आंखों से मां की प्रतिमा को विसर्जन के



लिए विदाई दी। इस दौरान माहौल भावुक हो उठा। पूजा समिति के संयोजक अवधेश पासवान एवं अध्यक्ष रौशन पासवान ने कहा कि समाज के सभी वर्गों और प्रशासन के सामूहिक सहयोग से इतना बड़ा धार्मिक अनुष्ठान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सका। यह नेहरा गांव की एकता, अनुशासन और मां काली के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। समापन पर आयोजन समिति ने ग्रामीणों, सदस्यों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महोत्सव ने धार्मिक आस्